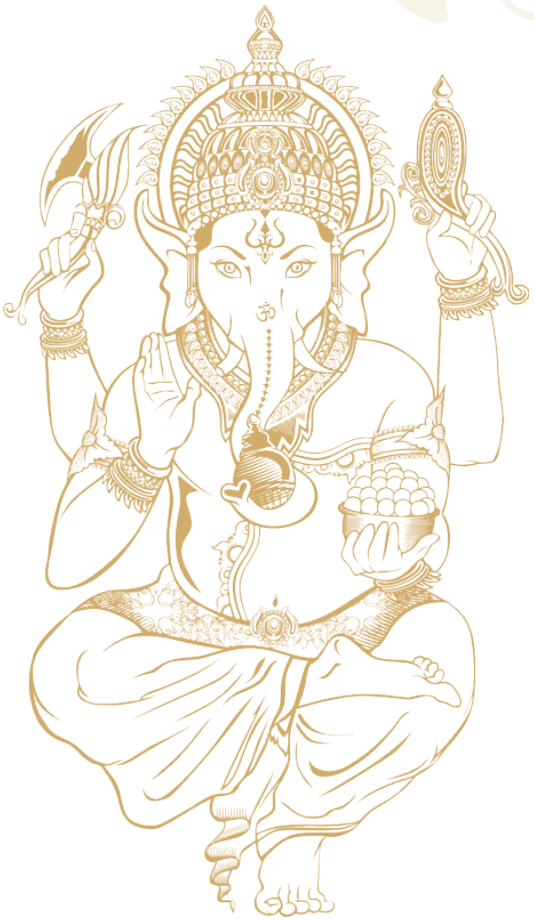

06 Jan 2026

04:11 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121007506

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/01/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**16:11:00 घंटे**
इष्ट	23:31:13 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:14:32 घंटे
वेलान्तर	-00:05:44 घंटे
साम्पातिक काल	23:18:39 घंटे
सूर्योदय	06:46:30 घंटे
सूर्यास्त	17:18:18 घंटे
दिनमान	10:31:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:53:40 धनु
लग्न के अंश	07:51:54 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:51:54	328:09:05	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			धनु	21:53:40	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	02:13:29	13:41:16	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	22:38:56	00:46:12	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	12:49:27	01:33:30	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	26:24:48	00:08:03	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	21:50:08	01:15:29	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि			मीन	02:17:06	00:03:59	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:04:32	00:01:54	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:04:32	00:01:54	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:35:16	00:01:25	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:21:37	00:00:55	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:39:46	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	24:32:00	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

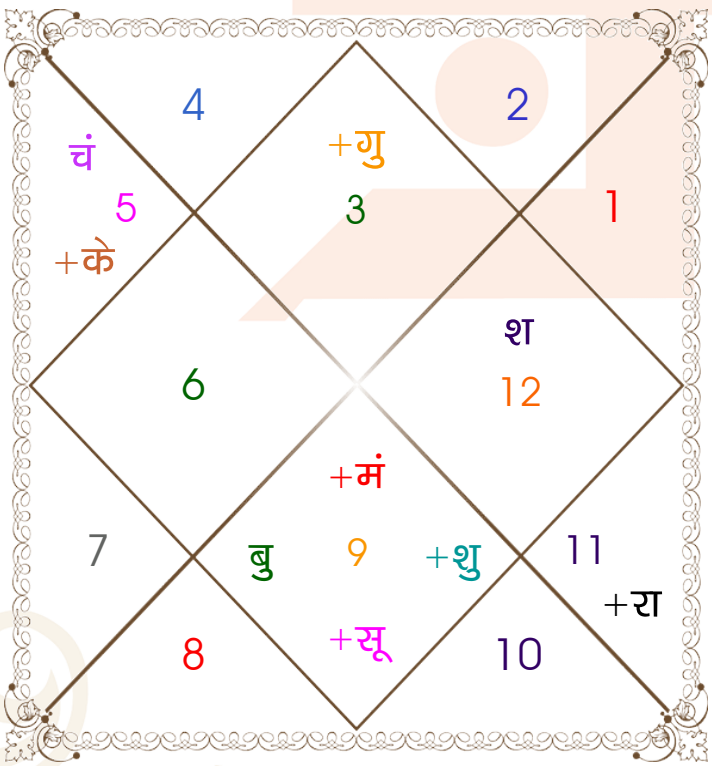

चन्द्र कुंडली

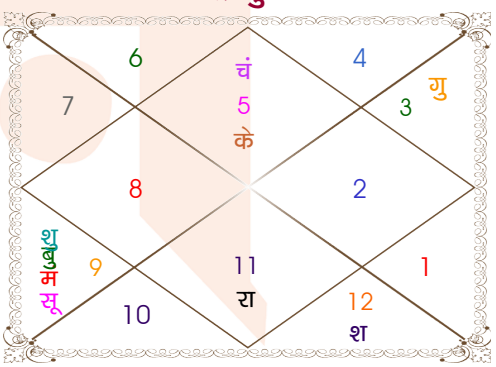

नवमांश कुंडली

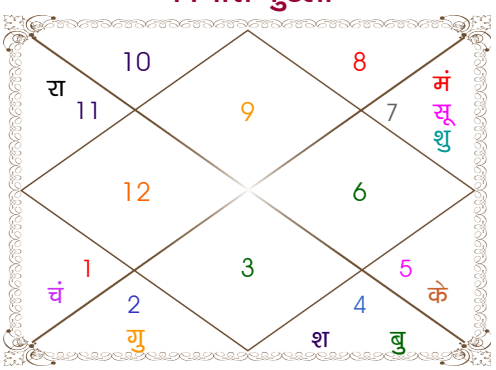

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 9 मास 29 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/01/2026		06/11/2031		06/11/2051		06/11/2057		06/11/2067	
06/11/2031		06/11/2051		06/11/2057		06/11/2067		06/11/2074	
	06/01/2026	शुक्र	08/03/2035	सूर्य	24/02/2052	चंद्र	06/09/2058	मंगल	03/04/2068
शुक्र	04/06/2026	सूर्य	07/03/2036	चंद्र	25/08/2052	मंगल	07/04/2059	राहु	22/04/2069
सूर्य	10/10/2026	चंद्र	06/11/2037	मंगल	30/12/2052	राहु	06/10/2060	गुरु	29/03/2070
चंद्र	11/05/2027	मंगल	06/01/2039	राहु	24/11/2053	गुरु	05/02/2062	शनि	08/05/2071
मंगल	07/10/2027	राहु	06/01/2042	गुरु	12/09/2054	शनि	06/09/2063	बुध	04/05/2072
राहु	24/10/2028	गुरु	06/09/2044	शनि	25/08/2055	बुध	05/02/2065	केतु	30/09/2072
गुरु	30/09/2029	शनि	06/11/2047	बुध	01/07/2056	केतु	06/09/2065	शुक्र	30/11/2073
शनि	09/11/2030	बुध	06/09/2050	केतु	06/11/2056	शुक्र	08/05/2067	सूर्य	07/04/2074
बुध	06/11/2031	केतु	06/11/2051	शुक्र	06/11/2057	सूर्य	06/11/2067	चंद्र	06/11/2074

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/11/2074		06/11/2092		07/11/2108		07/11/2127		07/11/2144	
06/11/2092		07/11/2108		07/11/2127		07/11/2144		00/00/0000	
राहु	19/07/2077	गुरु	25/12/2094	शनि	10/11/2111	बुध	05/04/2130	केतु	05/04/2145
गुरु	13/12/2079	शनि	07/07/2097	बुध	21/07/2114	केतु	02/04/2131	शुक्र	07/01/2146
शनि	19/10/2082	बुध	13/10/2099	केतु	29/08/2115	शुक्र	31/01/2134		00/00/0000
बुध	07/05/2085	केतु	19/09/2100	शुक्र	29/10/2118	सूर्य	08/12/2134		00/00/0000
केतु	26/05/2086	शुक्र	21/05/2103	सूर्य	11/10/2119	चंद्र	08/05/2136		00/00/0000
शुक्र	25/05/2089	सूर्य	08/03/2104	चंद्र	11/05/2121	मंगल	05/05/2137		00/00/0000
सूर्य	19/04/2090	चंद्र	08/07/2105	मंगल	20/06/2122	राहु	23/11/2139		00/00/0000
चंद्र	19/10/2091	मंगल	14/06/2106	राहु	26/04/2125	गुरु	27/02/2142		00/00/0000
मंगल	06/11/2092	राहु	07/11/2108	गुरु	07/11/2127	शनि	07/11/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 10 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।